Bareilly Thursday, 11 November 2021
BAREILLY EDITION
Price ₹ 3.00/-
Pages 14

दैनिक जागरण

inext

PAGE NO. : 09 BOTTOM

बेरोजगारी, भोलेपन और लालच दिखाता 'द सुसाइड'

रिद्धिमा थिएटर फेस्टिवल 'इंद्रधनुष' के दूसरे दिन हुआ 'द सुसाइड' का मंचन

bareilly@inext.co.in

BAREILLY (10 Nov): एसआरएमएस रिद्धिमा में इंद्रधनुष महोत्सव के दूसरे दिन 10 नवंबर को दिल्ली के मैड्वन थिएटर कंपनी के कलाकारों ने नाटक 'द सुसाइड' का मंचन किया. नाटक देखने विशिष्ट अतिथि के रूप में सीडीओ चन्द्र मोहन गर्ग उपस्थित हुए, पौधा और स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत उनका स्वागत एसआरएमएस ट्रस्ट चेयरमैन देवमूर्ति ने किया.

सीडीओ रहे चीफ गेस्ट

नाटक की शुरुआत समस पोडोवस्की (सैम) नाम के लड़के और उसकी बीवी के झगड़े से शुरू होती है. सैम बेरोजगार युवा है, जिसके पास कोई काम नहीं है. वह सपने बड़े बड़े देखता है लेकिन करता कुछ भी नहीं है. एक दिन देर रात सैम घर आके अपनी बीवी माशा से खाना मांगता है . इसपर उसकी बीवी उसको ताने देना शुरू कर देती है. सैम गुस्सा होकर चला जाता है जब उसकी पत्नी को एहसास होता है कि सैम कहीं गुस्से में सुसाइड न कर ले. वह सैम को अंधेरे में ढूंढ रही होती है तभी उसकी मां वहां आ जाती है और कहती है कि अच्छा होगा अगर वो मनहूस सैम मर ही गया हो. तभी पता लगा कि सैम बाथरूम के अंदर है. इतने में सैम का दोस्त उसके घर आता है.

कई लोग रहे मौजूद

सैम की बीवी उसके दोस्त से कहती है कि सैम सुसाइड करने को बाथरूम में बंद हो गया है. उसका दोस्त दरवाजा तोड़ता है तो पता चलता है कि सैम जिंदा है उसका पेट खराब हो गया होता है. उसका दोस्त कहता है कि तू कोई काम क्यों नही कर लेता है तो सैम काम को मना कर देता है. एक दिन अकेला बैठा हुआ सैम सुसाइड नोट लिख रहा होता है. तभी उसे एक ट्यूबा पड़ा मिलता है. पर मुश्किल ये थी कि उसको ट्यूबा बजाना ही नहीं आता था. कोशिश करने पर बाजा तो बज जाता है लेकिन एकदम बेसुरा. इसके बाद भी सैम और उसकी पत्नी मुंगेरी लाल के सपने देखना शुरू कर देते हैं. एक रोज एक आदमी सैम से मिलता है और सुसाइड नोट पढ़कर बोलता है कि तू किसी को अपनी मौत का जिम्मेदार बना जिससे तेरा पुतला बने, तेरी अंतिम यात्रा पर लोग पुष्पों की वर्षा करेंगे. कार्यक्रम में आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, ऋचा मूर्ति, इंजीनियर सुभाष मेहरा, गुरु मेहरोत्रा, डॉ. नीलिमा मेहरोत्रा, डॉ. प्रभाकर गुप्ता, अनुज सक्सेना, अनुज गुप्ता और शहर के संभ्रांत लोग मौजूद रहे.